Media Coverage: Kisan Mela

कृषि विज्ञान केंद्र में किसान मेले का आयोजन कल

मंडला ।उष्णकटिबंधीय वन अनुसंधान संस्थान जबलपुर द्वारा 11 मार्च 2022 को कृषि विज्ञान केंद्र मंडला में किसान मेला का आयोजन किया जा रहा है। मेले का उद्देश्य विभिन्न सरकारी संस्थानों और गैर-सरकारी संगठनों द्वारा विकसित आसानी से हस्तांतरणीय प्रौद्योगिकियों के साथ किसानों की सहायता करना है। यह किसानों, आदिवासियों और अकाष्ठ वन उपजों एवं औषधीय पौधों आश्रित हितधारकों को वित्तीय योजनाओं और कृषि वानिकी एवं वानिकी गतिविधियों में सहायता के लिए मंच प्रदान करेगा। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि फग्गन सिंह कुलस्ते केंद्रीय राज्य मंत्री, इस्पात और ग्रामीण विकास, भारत सरकार रहेंगें। मध्यप्रदेश राज्य वन विभागों एवं उनकी संबद्ध एजेंसियों, राज्य वन अनुसंधान संस्थान, जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय एवं नानाजी देशमुख पशु चिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय, जबलपुर और विभिन्न अनुसंधान संस्थानों के विषय विशेषज्ञों द्वारा उपस्थित कृषकों को तकनीकी मार्गदर्शन प्रदाय किया जाएगा। साथ ही कृषक परिचर्चा द्वारा कृषकों की समस्याओं का त्वरित समाधान किया जाएगा।

कल आएंगे मंत्री कुलस्ते

मंडला| केन्द्रीय इस्पात एवं ग्रामीण विकास राज्यमंत्री फग्गन सिंह कुलस्ते का 11 मार्च 2022 को जिला मंडला आगमन हो रहा है। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार श्री कुलस्ते 11 मार्च को 8:30 बजे जबलपुर से मंडला के लिए रवाना होंगे एवं 10 बजे मंडला पहुंचकर ऊष्णकटिबंधीय वन अनुसंधान संस्थान द्वारा कृषि विज्ञान केन्द्र मंडला में आयोजित किसान मेला में भाग लेंगे। इसके बाद श्री कुलस्ते 4 बजे मंडला से हरदोली के लिए प्रस्थान करेंगे।

स्वतंत्र मत

कृषि विज्ञान में किसान मेला कल

मण्डला। उष्णकटिबंधीय वन अनुसंधान संस्थान जबलपुर द्वारा 11 मार्च को कृषि विज्ञान केंद्र में किसान मेला का आयोजन किया जा रहा है। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि फग्गन सिंह कुलस्ते केंद्रीय राज्य मंत्री इस्पात और ग्रामीण विकास भारत सरकार रहेंगें। मध्यप्रदेश राज्य वन विभागों एवं उनकी संबद्ध एजेंसियों, राज्य वन अनुसंधान संस्थान, जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय एवं नानाजी देशमुख पशु चिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय, जबलपुर और विभिन्न अनुसंधान संस्थानों के विषय विशेषज्ञों द्वारा उपस्थित कृषकों को तकनीकी मार्गदर्शन प्रदाय किया जाएगा। साथ ही कृषक परिचर्चा द्वारा कृषकों की समस्याओं का त्वरित समाधान किया जाएगा।

TheHitavada
Jabalpur City Line | 2022-03-12 | Page- 4
ehitavada.com

TFRI holds *Kisan Mela* to inform farmers about new technology

■ Staff Reporter

TROPICAL Forest Research Institute (TFRI), Jabalpur organised Kisan Mela at Krishi Vigyan Kendra, Mandla on Friday. The fair focused on enlightening farmers with readily transferable technologies developed by ICFRE institutes more so of TFRI. It also provided platform to acquaint farmers, tribals and other forest dependent populations including non-wood forest produce and medicinal plant dealers with financial schemes and support in Agroforestry & Forestry activities. More than 400 farmers enthusiastically attended the event.

TFRI, Director, Dr G Rajeshwar Rao seen addressing the programme.

Dr. G. Rajeshwar Rao, ARS, Director TFRI extended warm welcome to all the eminent guests, farmers and other participants of the fair. He briefed about various technologies developed by the institute and importance of extension of these for benefit of the farmers. Assuring them constant support and guidance by the institute, he encouraged them to participate and benefit fully by participation in the event.

A documentary on TFRI in Hindi was released by chief guest and screened to all to acquaint people present about TFRI and its contribution in the R&D and extension of forest research.

Faggan Singh Kulaste, Minister of State for Steel & Rural Development and chief guest of the event addressed the gathering on importance of forestry and agricultural organisation for dependent communities. He emphasised on cultivation of bamboo and informed about handicraft packaging and marketing of it's products facility available at the district.

Dr. PK Bisen, VC, JNKVV enthusiastically spoke about the benefit of the fair as collaboration of forests and agriculture for benefit of farmers.

Amitabh Agnihotri, Director, SFRI, Jabalpur, Sampatiya Uikey, Member of Rajya Sabha and Saraswati Maravi, President, Jila Panchayat, Mandla were also present.

Organisations like IFFDC, MPSFD, herbal industries, TFRI, JNKVV, DWR etc put up stalls for the benefit of farmers and dignitaries.

स्वतंत्र मत

कृषि विज्ञान केन्द्र में लगा किसान मेला

मण्डला। उष्णकटिबंधीय वन अनुसंधान संस्थान टी.एफआर.आई. जबलपुर ने 11 मार्च को कृषि विज्ञान केंद्र में किसान मेला का आयोजन किया। यह मेला विभिन्न सरकारी संस्थानों और गैर-सरकारी संगठनों द्वारा विकसित प्रौद्योगिकियों द्वारा किसानों की सहायता करने पर केंद्रित था। फग्गन सिंह कुलस्ते इस्पात ग्रामीण विकास राज्य मंत्री भारत सरकार और कार्यक्रम के मुख्य अतिथि ने आश्रित समुदायों के लिए वानिकी और कृषि संगठन के महत्व पर सभा को संबोधित किया। उन्होंने बांस की खेती पर जोर दिया और जिले में उपलब्ध हस्तशिल्प पैकेजिंग और इसके उत्पादों के विपणन के बारे में जानकारी दी।

डॉ. प्रदीप कुमार बिसेन कुलपति जवाहरलाल नेहरू कृषि विज्ञान विश्वविद्यालय ने किसानों के लाभ के लिए वनों और कृषि के सहयोग के रूप में मेले के लाभ के बारे में उत्साहपूर्वक बात की। संपतिया उइके राज्यसभा सदस्य, श्रीमती सरस्वती मरावी अध्यक्ष जिला पंचायत सहित राज्य के अन्य प्रतिनिधियों ने क्षेत्र के किसानों और वनवासियों के लिए मेले के लाभ की सराहना की। डॉ. एस.आर.के. सिंह, निदेशक अटारी जबलपुर ने बांस क्षेत्र में विभिन्न उपयोगों और अवसरों पर बात की। विभिन्न प्रगतिशील किसानों ने भी प्रतिभागियों के साथ लाख बांस की खेती पर अपनी यात्रा और अनुभव साझा किए।

कृषि विज्ञान केन्द्र में आयोजित हुआ एक दिवसीय किसान मेला

आय दोगुनी करने सरकार संकल्पित

• कृषि को बढ़ावा देने ऐसे आयोजन जरूरी।

हरिभूमि न्यूज >> मंडला

कृषि विज्ञान मंडला में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, वानिकी अनुसंधान संस्थान, कृषि विज्ञान केन्द्र मंडला तथा नाबार्ड के संयुक्त तत्वाधान में एक दिवसीय किसान मेला आयोजित हुआ। मेले में मुख्य अतिथि के रूप में केन्द्रीय इस्पात एवं ग्रामीण विकास राज्यमंत्री श्री फग्गन सिंह कुलस्ते शामिल हुए।

एक दिवसीय किसान मेले को संबोधित करते हुए केन्द्रीय मंत्री श्री कुलस्ते ने कहा कि मंडला एवं आसपास के क्षेत्र में उन्नत कृषि एवं वानिकी के विकास के लिए इस प्रकार के मेलों का आयोजन महत्वपूर्ण है। केन्द्र एवं राज्य सरकार किसानों की आय को दुगुनी करने के लिए कृत संकल्प है। इस प्रकार के किसान मेलों के आयोजन से किसान नई तकनीक एवं नवाचार के संबंध में विशेषज्ञों से मार्गदर्शन प्राप्त करते हैं जिनका उनकी खेती में सकारात्मक प्रभाव भी पड़ता है। केन्द्रीय मंत्री ने बताया कि कृषि को लाभ का धंधा बनाने अनुसंधान संस्थानों द्वारा निरंतर कार्य किए जा रहे हैं। उन्होंने उपस्थित किसानों से कहा कि बांस की खेती भी आर्थिक रूप से फायदेमंद है। उन्होंने मंडला जिले के विभिन्न क्षेत्रों को वर्षा एवं भौगोलिक परिस्थितियों के अनुरूप वर्गीकृत करते हुए उन क्षेत्रों के किसानों को फसलों, वानिकी तथा अन्य उत्पादन के लिए जागरूक करने के निर्देश दिए। श्री कुलस्ते ने कहा कि मंडला जिले में कृषि को बढ़ावा देने के लिए कार्य हो रहे हैं। आगामी दिनों में जमीन का अधिकतम एवं बहुउद्देशीय उपयोग करना होगा। श्री कुलस्ते ने कहा कि समय-समय पर कृषि एवं वानिकी से संबंधित प्रशिक्षण एवं स्टॉल लगाएं। उन्होंने स्व-सहायता समूहों को भी इस क्षेत्र की ओर आकर्षित करने की बात कही। राज्यमंत्री ने जिले में शहतूत, रेशम, कोदो-कुटकी के उत्पादन की पर्याप्त संभावना पर विस्तार से चर्चा भी की। एक दिवसीय किसान मेले को संबोधित करते हुए राज्यसभा सांसद संपतिया उईके ने इस प्रकार के आयोजन को सराहनीय एवं किसान हित में बताया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी एवं मुख्यमंत्री श्री चौहान के नेतृत्व में किसानों के लिए अनेक कल्याणकारी योजनाएं संचालित हैं। खेती को लाभ का धंधा बनाने के लिए किसानों को लगातार प्रशिक्षण एवं जागरूक करने की आवश्यकता है। जिला पंचायत अध्यक्ष सरस्वती मरावी ने मंडला जिले की भौगोलिक परिस्थितियों के अनुरूप किसानों को फसल एवं वानिकी कार्य करने के लिए प्रोत्साहित करने की बात कही। जिला पंचायत उपाध्यक्ष शैलेष मिश्रा ने वन बचाओ, जल संरक्षण, कोदो-कुटकी के उत्पादों को प्रोत्साहन तथा किसान मेले के आयोजन से होने वाले फायदों की जानकारी दी।

किसान मेले को संबोधित करते हुए कुलपति जेएनकेवी श्री बिसेन ने कहा कि जल-जंगल-जमीन प्रतिदिन कम हो रहे हैं तथा जनसंख्या प्रतिदिन बढ़ रही है, ऐसे में हम सभी को वनों के उत्पादन को विशेष महत्व देते हुए आने वाली पीढ़ी के लिए एक स्वस्थ पर्यावरण तैयार करना होगा। निदेशक उष्ण कटिबंधीय अनुसंधान संस्थान डॉ. राय ने अपने स्वागत भाषण में संस्थान द्वारा वनों के सुधार, अनुसंधान तथा आर्थिक रूप से फायदेमंद गतिविधियों के बारे में बताया। निदेशक अटारी एसआरके सिंह ने मध्यप्रदेश एवं छत्तीसगढ़ में केवीके के माध्यम से किसान हित में किए जा रहे प्रयासों की जानकारी दी। निदेशक राज्य वन अनुसंधान संस्थान अमिताभ अग्निहोत्री ने किसानों की आय दुगुनी करने के लिए 4 बिन्दु लागत में कमी, उपज का उचित मूल्य, उत्पादन में वृद्धि तथा कृषि के साथ आय के वैकल्पिक स्रोत पर विस्तार से चर्चा की। निदेशक खरपतवार अनुसंधान संस्थान ने फसलों एवं वानिकी को खरपतवार से होने वाले नुकसान के बारे में बताते हुए इनके नियंत्रण एवं विभिन्न खरपतवारों की उपयोगिता को बढ़ाने के संबंध में विचार साझा किए। किसान मेले के दौरान राज्यसभा सांसद संपतिया उईके सहित जनप्रतिनिधियों एवं अतिथियों ने मशरूम बीज उत्पादन केन्द्र का शुभारंभ भी किया। मंच से बांस शिल्प के कलाकार सुरेश नामदेव, बैगा विकास संस्थान के केहर सिंह धुर्वे, लाख उत्पादक सतीश धार तथा नीलगिरी, सागौन एवं खमेर के उत्पादक किसान भीमसिंह को मंच से सम्मानित किया गया। इसी प्रकार अन्य किसानों का भी मंच से अतिथियों द्वारा सम्मान किया गया।

जनजातीय क्षेत्र में कृषि और वानिकी को बढ़ावा देने मेलों का आयोजन महत्वपूर्ण : फग्गन सिंह कुलस्ते

मण्डला ■ राज न्यूज नेटवर्क

कृषि विज्ञान में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, वानिकी अनुसंधान संस्थान, कृषि विज्ञान केन्द्र तथा नाबार्ड के संयुक्त तत्वाधान में एक दिवसीय किसान मेला आयोजित हुआ। मेले में मुख्य अतिथि के रूप में केन्द्रीय इस्पात एवं ग्रामीण विकास राज्यमंत्री फग्गन सिंह कुलस्ते शामिल हुए। इस अवसर पर राज्यसभा सांसद संपतिया उईके, जिला पंचायत अध्यक्ष सरस्वती मरावी, कुलपति जवाहर लाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय जबलपुर पीके बिसेन, ऊष्ण कटीबंधीय अनुसंधान संस्थान जबलपुर के निदेशक डॉ. राव, निदेशक अटारी एसआरके सिंह, निदेशक राज्य वन अनुसंधान संस्थान अमिताभ अग्निहोत्री, निदेशक खरपतवार अनुसंधान संस्थान, कलेक्टर हर्षिका सिंह, पुलिस अधीक्षक यशपाल सिंह राजपूत, जिला पंचायत उपाध्यक्ष शैलेष मिश्रा, वरिष्ठ कृषि वैज्ञानिक कृषि विज्ञान केन्द्र मंडला डॉ. विशाल मेश्राम, कृषि वैज्ञानिक, कृषि अधिकारी, जिला नाबार्ड प्रमुख अखिलेश एवं मंडला एवं आसपास के जिलों के किसान उपस्थित थे।

किसान विशेषज्ञों से लें मार्गदर्शन

एक दिवसीय किसान मेले को संबोधित करते हुए केन्द्रीय मंत्री श्री कुलस्ते ने कहा कि मंडला एवं आसपास के क्षेत्र में उन्नत कृषि एवं वानिकी के विकास के लिए इस प्रकार के मेलों का आयोजन महत्वपूर्ण है। केन्द्र एवं रा%य सरकार किसानों की आय को दुगुनी करने के लिए कृत संकल्प है। इस प्रकार के

किसान मेलों के आयोजन से किसान नई तकनीक एवं नवाचार के संबंध में विशेषज्ञों से मार्गदर्शन प्राप्त करते हैं जिनका उनकी खेती में सकारात्मक प्रभाव भी पड़ता है। केन्द्रीय मंत्री ने बताया कि कृषि को लाभ का धंधा बनाने अनुसंधान संस्थानों द्वारा रिसर्च कार्य किए जा रहे हैं। उन्होंने उपस्थित किसानों से कहा कि बांस की खेती भी आर्थिक रूप से फायदेमंद है। उन्होंने मंडला जिले के विभिन्न क्षेत्रों को वर्षा एवं भौगोलिक परिस्थितियों के अनुरूप वर्गीकृत करते हुए उन क्षेत्रों के किसानों को फसलों, वानिकी तथा अन्य उत्पादन के लिए जागरूक करने के निर्देश दिए। श्री कुलस्ते ने कहा कि मंडला जिले में कृषि को बढ़ावा देने के लिए कार्य हो रहे हैं। आगामी दिनों में जमीन का अधिकतम एवं बहुउद्देशीय उपयोग करना होगा।

सरकार ने किसानों के लिए संचालित की योजनाएं

श्री कुलस्ते ने कहा कि समय-समय पर कृषि एवं वानिकी से संबंधित एक्सीविशन एवं स्टॉल लगाएं। उन्होंने स्व-सहायता समूहों को भी इस क्षेत्र की ओर आकर्षित करने की बात कही। राज्यमंत्री ने जिले में शहतूत, रेशम, कोदो-कुटकी के उत्पादन की पर्याप्त संभावना पर विस्तार से चर्चा भी की। एक दिवसीय किसान मेले को संबोधित करते हुए राज्यसभा सांसद संपतिया उईके ने इस प्रकार के आयोजन को सराहनीय एवं किसान हित में बताया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री एवं मुख्यमंत्री के नेतृत्व में किसानों के लिए अनेक कल्याणकारी योजनाएं संचालित हैं। खेती को लाभ धंधा बनाने के लिए किसानों को लगातार प्रशिक्षण एवं जागरूक करने की आवश्यकता है। जिला पंचायत अध्यक्ष सरस्वती मरावी ने मंडला जिले की भौगोलिक परिस्थितियों के अनुरूप किसानों को फसल एवं वानिकी कार्य करने के लिए प्रोत्साहित करने की बात कही। जिला पंचायत उपाध्यक्ष शैलेष मिश्रा ने वन बचाओ, जल संरक्षण, कोदो-कुटकी के उत्पादों को प्रोत्साहन तथा किसान मेले के आयोजन से होने वाले फायदों की जानकारी दी।

जल जंगल जमीन प्रतिदिन हो रही कम

किसान मेले को संबोधित करते हुए

कुलपति जेएनकेव्ही श्री बिसेन ने कहा कि जल-जंगल-जमीन प्रतिदिन कम हो रहे हैं तथा जनसंख्या प्रतिदिन बढ़ रही है, ऐसे में हम सभी को वनों के उत्पादन को विशेष महत्व देते हुए आने वाली पीढ़ी के लिए एक स्वस्थ पर्यावरण तैयार करना होगा। निदेशक ऊष्ण कटिबंधीय अनुसंधान संस्थान डॉ. राव ने अपने स्वागत भाषण में संस्थान द्वारा वनों के सुधार, अनुसंधान तथा आर्थिक रूप से फायदेमंद गतिविधियों के बारे में बताया। निदेशक अटारी एसआरके सिंह ने मध्यप्रदेश एवं छत्तीसगढ़ में केवीके के माध्यम से किसान हित में किए जा रहे प्रयासों की जानकारी दी। निदेशक राज्य वन अनुसंधान संस्थान अमिताभ अग्निहोत्री ने किसानों की आय दुगुनी करने के लिए 4 बिन्दु लागत में कमी, उपज का उचित मूल्य, उत्पादन में वृद्धि तथा कृषि के साथ आय के वैकल्पिक स्त्रोत पर विस्तार से चर्चा की। निदेशक खरपतवार अनुसंधान संस्थान ने फसलों एवं वानिकी को खरपतवार से होने वाले नुकसान के बारे में बताते हुए इनके नियंत्रण एवं चिन्हित खरपतवारों की उपयोगिता को बढ़ाने के संबंध में विचार साझा किए।

मशरूम बीज उत्पादन केंद्र का हुआ शुभारंभ

एक दिवसीय किसान मेले का प्रारंभ मुख्य अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। किसान मेले के दौरान राज्यसभा सांसद संपतिया उईके सहित जनप्रतिनिधियों एवं अतिथियों ने मशरूम बीज उत्पादन केन्द्र का शुभारंभ भी किया। मंच से बांस शिल्प के कलाकार सुरेश नामदेव, बैगा विकास संस्थान के केहर सिंह बर्वे, लाख उत्पादक सलीम खान तथा नीलगिरी, सागौन एवं खमेर के उत्पादक किसान बीपी सिंह को मंच से सम्मानित किया गया। इसी प्रकार अन्य किसानों का भी मंच से अतिथियों द्वारा सम्मान किया गया। जनजातीय प्रतिनिधियों ने केन्द्रीय इस्पात एवं ग्रामीण विकास राज्यमंत्री श्री कुलस्ते का परंपरागत मुकुट पहनाकर सत्कार किया। अतिथियों द्वारा कृषि विज्ञान केन्द्र एवं अनुसंधान संस्थान द्वारा तैयार की गई यूजलेटर और वृतचित्र पुस्तिका का विमोचन भी किया गया।

मंडला-डिंडौरी

हाईस्कूल डालाखापा में बिजली व पानी की सुविधा न होने छात्र-छात्राएं हो रहे परेशान पेज नं. 12

बांस की खेती भी आर्थिक रूप समृद्ध बनाने में फायदेमंदः कुलस्ते

किसान मेला ● जनजातीय क्षेत्र में कृषि एवं वानिकी को बढ़ावा देने मेलों का आयोजन जरूरी, मशरूम बीज उत्पादन केंद्र का शुभारंभ

दीप प्रज्जवलन के साथ कार्यक्रम की शुरूआत करते हुए केंद्रीय मंत्री कुलस्ते व अन्य जनप्रतिनिधि। ● **सौजन्य : जनसंपर्क विभाग**

किसान व कलाकारों का सम्मान किया गया। कलेक्टर द्वारा सम्मान करते हुए। ● **सौजन्य : जनसंपर्क विभाग**

मंडला (नईदुनिया प्रतिनिधि)। मंडला एवं आसपास के क्षेत्र में उन्नत कृषि एवं वानिकी के विकास के लिए इस प्रकार के मेलों का आयोजन महत्वपूर्ण है। केंद्र एवं राज्य सरकार किसानों की आय को दुगुनी करने के लिए कृत संकल्प है।

इस प्रकार के किसान मेलों के आयोजन से किसान नई तकनीक एवं नवाचार के संबंध में विशेषज्ञों से मार्गदर्शन प्राप्त करते हैं जिनका उनकी खेती में सकारात्मक प्रभाव भी पड़ता है। एक दिवसीय किसान मेले को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि केंद्रीय मंत्री फग्गन सिंह कुलस्ते ने कही। कृषि विज्ञान मंडला में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, वानिकी अनुसंधान संस्थान, कृषि विज्ञान केन्द्र मंडला तथा नाबार्ड के संयुक्त तत्वाधान में एक दिवसीय किसान मेला आयोजित किया गया।

कृषि को लाभ का धंधा बनाएं: केंद्रीय मंत्री कुलस्ते ने कहा कि कृषि को लाभ का धंधा बनाने अनुसंधान संस्थानों द्वारा रिसर्च कार्य किए जा रहे हैं। किसानों से कहा कि बांस की खेती भी आर्थिक रूप से फायदेमंद है। उन्होंने मंडला जिले के विभिन्न क्षेत्रों को वर्षा एवं भौगोलिक परिस्थितियों के अनुरूप वर्गीकृत करते हुए उन क्षेत्रों के किसानों को फसलों, वानिकी तथा अन्य उत्पादन के लिए जागरूक करने कहा। मंडला जिले में कृषि को बढ़ावा देने के लिए कार्य हो रहे हैं।

कार्यक्रम में उपस्थित किसान व विभागीय अधिकारी। ● **सौजन्य : जनसंपर्क विभाग**

आगामी दिनों में जमीन का अधिकतम एवं बहुउद्देशीय उपयोग करना होगा। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि समय-समय पर कृषि एवं वानिकी से संबंधित एक्सीविशन एवं स्टॉल लगाएं। उन्होंने स्व-सहायता समूहों को भी इस क्षेत्र की ओर आकर्षित करने की बात कही। राज्यमंत्री ने जिले में शहतूत, रेशम, कोदों-कुटकी के उत्पादन की पर्याप्त संभावना पर विस्तार से चर्चा भी की।

लगातार प्रशिक्षण की आवश्यकता: एक दिवसीय किसान मेले को संबोधित करते हुए राज्यसभा सदस्य संपतिया उईके ने इस प्रकार के आयोजन को सराहनीय एवं किसान हित में बताया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी एवं मुख्यमंत्री चौहान के नेतृत्व में किसानों के लिए अनेक कल्याणकारी योजनाएं संचालित हैं। खेती को लाभ धंधा बनाने के लिए किसानों को लगातार प्रशिक्षण एवं जागरूक करने की आवश्यकता है। जिला पंचायत अध्यक्ष सरस्वती मरावी ने मंडला जिले की भौगोलिक परिस्थितियों के अनुरूप किसानों को फसल एवं वानिकी कार्य करने के लिए प्रोत्साहित करने की बात कही। जिला पंचायत उपाध्यक्ष शैलेष मिश्रा ने वन बचाओ, जल संरक्षण, कोदो-कुटकी के उत्पादों को प्रोत्साहन तथा किसान मेले के आयोजन से होने वाले फायदों की जानकारी दी।

आने वाली पीढ़ी के लिए एक स्वस्थ पर्यावरण तैयार करना होगा: किसान मेले को संबोधित करते हुए कुलपति जेएनकेव्ही पीके बिसेन ने कहा कि जल-जंगल-जमीन प्रतिदिन कम हो रहे हैं तथा जनसंख्या प्रतिदिन बढ़ रही है, ऐसे में हम सभी को वनों के उत्पादन को विशेष महत्व देते हुए आने वाली पीढ़ी के लिए एक स्वस्थ पर्यावरण तैयार करना होगा। निदेशक ऊष्ण कटिबंधीय अनुसंधान संस्थान डॉ. राव ने अपने स्वागत भाषण में संस्थान द्वारा वनों के सुधार, अनुसंधान तथा आर्थिक रूप से फायदेमंद गतिविधियों के बारे में बताया। निदेशक अटारी एसआरके सिंह ने मध्यप्रदेश एवं छत्तीसगढ़ में केवीके के माध्यम से किसान हित में किए जा रहे प्रयासों की जानकारी दी।

निदेशक राज्य वन अनुसंधान संस्थान अमिताभ अग्निहोत्री ने किसानों की आय दुगुनी करने के लिए 4 बिन्दु लागत में कमी, उपज का उचित मूल्य, उत्पादन में वृद्धि तथा कृषि के साथ आय के वैकल्पिक स्रोत पर चर्चा की। निदेशक खरपतवार अनुसंधान संस्थान ने फसलों एवं वानिकी को खरपतवार से होने वाले नुकसान के बारे में बताते हुए इनके नियंत्रण एवं चिन्हित खरपतवारों की उपयोगिता को बढ़ाने के संबंध में विचार साझा किए।

ये रहे उपस्थित: इस अवसर पर राज्यसभा सांसद संपतिया उईके, जिला पंचायत अध्यक्ष सरस्वती मरावी, कुलपति जवाहर लाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय जबलपुर पीके बिसेन, ऊष्ण कटीबंधीय अनुसंधान संस्थान जबलपुर के निदेशक डॉ. राव, निदेशक अटारी एसआरके सिंह, निदेशक राज्य वन अनुसंधान संस्थान अमिताभ अग्निहोत्री, निदेशक खरपतवार अनुसंधान संस्थान, कलेक्टर हर्षिका सिंह, पुलिस अधीक्षक यशपाल सिंह राजपूत, जिला पंचायत उपाध्यक्ष शैलेष मिश्रा, वरिष्ठ कृषि वैज्ञानिक कृषि विज्ञान केंद्र मंडला डा. विशाल मेश्राम, जिला नाबार्ड प्रमुख अखिलेश एवं मंडला एवं आसपास के जिलों के किसान उपस्थित थे।

एक दिवसीय किसान मेले का प्रारंभ मुख्य अतिथियों द्वारा दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ। किसान मेले के दौरान राज्यसभा सदस्य संपतिया उईके सहित जनप्रतिनिधियों एवं अतिथियों ने मशरूम बीज उत्पादन केंद्र का शुभारंभ भी किया। मंच से बांस शिल्प के कलाकार सुरेश नामदेव, बैगा विकास संस्थान के केजर सिंह बर्वे, लाख उत्पादक सलीम खान तथा नीलगिरी, सागौन एवं खमेर के उत्पादक किसान बीपी सिंह को मंच से सम्मानित किया गया।

किसानों को भी मंच से अतिथियों द्वारा सम्मान किया गया। जनजातीय प्रतिनिधियों ने केंद्रीय इस्पात एवं ग्रामीण विकास राज्यमंत्री कुलस्ते का परंपरागत मुकुट पहनाकर सत्कार किया। अतिथियों द्वारा कृषि विज्ञान केन्द्र एवं अनुसंधान संस्थान द्वारा तैयार की गई यूजलेटर और वृत्तचित्र पुस्तिका का विमोचन भी किया गया।

किसानों की आय बढ़ाने सरकार दृढ़ संकल्पित

कृषि एवं वानिकी को बढ़ावा देने आयोजित मेंले में केंद्रीय मंत्री कुलस्ते हुए सम्मिलित

भास्कर न्यूज़, मंडला|

कृषि विज्ञान मंडला में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, वानिकी अनुसंधान संस्थान, कृषि विज्ञान केन्द्र मंडला नाबार्ड के संयुक्त तत्वाधान में एक दिवसीय किसान मेला आयोजित हुआ। मुख्य अतिथि के केन्द्रीय इस्पात एवं ग्रामीण विकास राज्यमंत्री फग्गन सिंह कुलस्ते शामिल हुए। राज्यसभा सांसद संपतिया उईके, जिला पंचायत अध्यक्ष सरस्वती मरावी, कुलपति जवाहर लाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय जबलपुर पी.के. बिसेन, ऊष्ण कटीबंधीय अनुसंधान संस्थान जबलपुर के निदेशक डॉ. राव, निदेशक अटारी एसआरके सिंह, निदेशक राज्य वन अनुसंधान संस्थान अमिताभ अग्निहोत्री, निदेशक खरपतवार अनुसंधान संस्थान, कलेक्टर हर्षिका सिंह, पुलिस अधीक्षक यशपाल सिंह राजपूत, जिला पंचायत उपाध्यक्ष शैलेष मिश्रा, वरिष्ठ कृषि वैज्ञानिक कृषि विज्ञान केन्द्र मंडला डॉ. विशाल मेश्राम, कृषि वैज्ञानिक, कृषि अधिकारी, जिला नाबार्ड प्रमुख अखिलेश एवं मंडला एवं आसपास के जिलों के किसान उपस्थित थे।

श्री कुलस्ते ने कहा कि मंडला एवं आसपास के क्षेत्र में उन्नत कृषि एवं वानिकी के विकास के लिए इस प्रकार के मेलों का आयोजन महत्वपूर्ण है। केन्द्र एवं राज्य सरकार किसानों की आय को दुगुनी करने के लिए कृत संकल्प है। इस प्रकार के किसान मेलों के आयोजन से किसान नई तकनीक एवं नवाचार के संबंध में विशेषज्ञों से मार्गदर्शन प्राप्त करते हैं जिनका उनकी खेती में सकारात्मक प्रभाव भी पड़ता है। श्री कुलस्ते ने कहा कि मंडला जिले में कृषि को बढ़ावा देने के लिए कार्य हो रहे हैं।

राज्यसभा सांसद संपतिया उईके ने इस प्रकार के आयोजन को सराहनीय एवं किसान हित में बताया। जिला पंचायत अध्यक्ष सरस्वती मरावी ने मंडला जिले की भौगोलिक परिस्थितियों के अनुरूप किसानों को फसल एवं वानिकी कार्य करने के लिए प्रोत्साहित करने की बात कही। जिला पंचायत उपाध्यक्ष शैलेष मिश्रा ने वन बचाओ, जल संरक्षण, कोदो-कुटकी के उत्पादों को प्रोत्साहन तथा किसान मेले के आयोजन से होने वाले फायदों की जानकारी दी।

कुलपति जेएनकेवी श्री बिसेन ने कहा कि जल-जंगल-जमीन प्रतिदिन कम हो रहे हैं तथा जनसंख्या प्रतिदिन बढ़ रही है, ऐसे में हम सभी को वनों के उत्पादन को विशेष महत्व देते हुए आने वाली पीढ़ी के लिए एक स्वस्थ पर्यावरण तैयार करना होगा। निदेशक ऊष्ण कटिबंधीय अनुसंधान संस्थान डॉ. राव ने अपने स्वागत भाषण में संस्थान द्वारा वनों के सुधार, अनुसंधान तथा आर्थिक रूप से फायदेमंद गतिविधियों के बारे में बताया।

निदेशक अटारी एसआरके सिंह ने मध्यप्रदेश एवं छत्तीसगढ़ में केवीके के माध्यम से किसान हित में किए जा रहे प्रयासों की जानकारी दी। निदेशक राज्य वन अनुसंधान संस्थान अमिताभ अग्निहोत्री ने किसानों की आय दुगुनी करने के लिए 4 बिन्दु लागत में कमी, उपज का उचित मूल्य, उत्पादन में वृद्धि तथा कृषि के साथ आय के वैकल्पिक स्त्रोत पर विस्तार से चर्चा की।मशरूम बीज उत्पादन केन्द्र का शुभारंभ भी किया। मंच से बांस शिल्प के कलाकार सुरेश नामदेव, बैगा विकास संस्थान के केहर सिंह बर्वे, लाख उत्पादक सलीम खान तथा नीलगिरी, सागौन एवं खमेर के उत्पादक किसान बीपी सिंह को मंच से सम्मानित किया गया।

दिलीप चद्रोल, ...
अनूप जॉर्ज, वीरू सिंगौर, सरस्वती सिंगोर समेत ...

सर्वश्रेष्ठ बांस उत्पादक से सम्मानित

सिटी भास्कर मंडला| वन अनुसंधान संस्थान जबलपुर और कृषि अनुसंधान केंद्र मंडला के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित एक दिवसीय मेले का आयोजन सांसद एवं केंद्रीय मंत्री फग्गन सिंह कुलस्ते, राज्य सभा सांसद सम्पतिया उइके, जिला पंचायत अध्यक्ष सरस्वती मरावी, जिला पंचायत उपाध्यक्ष शैलेष मिश्रा, कलेक्टर हर्षिता सिंह, एएस पीए यशपाल सिंग, कार्यक्रम संरक्षक निर्देशक टीएफआरआई डॉ जी राजेश्वर राव कार्यक्रम समन्वयक डॉ मनिता बेरी की उपस्थिति में जिले का सर्वश्रेष्ठ बांस उत्पादक और प्रोड्यूशर सम्मान भुआ बिछिया के सुदेश नामदेव को प्रदान किया गया। श्री नामदेव के बांस उत्पादन के कीर्तिमान स्थापित करने के साथ अन्य कृषकों को प्रोत्साहित करने के लिए उनके योगदान की अतिथियो ने सराहना की।